ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

कर्ण का मित्र प्रेम

कक्षा - आठवीं

विषय – हिंदी
पाठ : ४
पाठ का नाम : कर्ण का मित्र प्रेम
PPT-2

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

1."हे कृष्ण ! ज़रा यह भी सुनिए,
सच है की झूठ मन में गुनिये
धूलों में मैं था पडा हुआ,
किसका सनेह पा बड़ा हुआ?
किसने मुझको सम्मान दिया,
नृपता दे महिमावान किया?

शब्दार्थ –

गुनिए = सोचना , विचार करना ।
सनेह = स्नेह ।
नृपता = राजा - सा सम्मान ।
महिमावान = गौरवशाली , प्रतापी ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

भावार्थ - महाभारत के युद्ध में कर्ण की बहादुरी एवं शौर्य के कारण श्रीकृष्ण स्वयं कर्ण से कहते हैं कि तुम पांडव के भाई हो । तुम उन्हीं की ओर से युद्ध करो । यह न्याय संगत है। श्रीकृष्ण की बातों से विचलित हुए बिना कर्ण कहते हैं कि - जब मैं विवशतापूर्ण जीवन जीने में मज़बूर था तभी दुर्योधन ने मेरा पालन - पोषण किया और एक राजा की तरह मुझे सम्मान दिया ।

संबंधित प्रश्न -

१. कर्ण अपनी बात किसे बता रहे हैं?
२. कर्ण किसके भाई थे?
३. श्रीकृष्ण ने कर्ण से क्या कहा ?
४. श्रीकृष्ण की बाते सुनकर कर्ण ने क्या कहा ?
५. यह कविता हमें क्या संदेश देती है?

गृहकार्य - द्वितीय पंक्तियों की कविता को पढ़कर आना

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow